Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

मध्यप्रदेश में पर्यटन विकासः वित्तीय प्रावधान, परियोजनाएँ और आगमन प्रवृत्तियों का विश्लेषण

डॉ. प्रभा अग्रवाल
प्राध्यापक, (वाणिज्य) महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर (म. प्र.)
श्रीमती नीलम यादव
शोधार्थी, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर (म. प्र.)

सारांश :

यह शोधपत्र मध्यप्रदेश में पर्यटन क्षेत्र के विकास का अध्ययन प्रस्तुत करता है, जिसमें वित्तीय प्रावधान, प्रमुख परियोजनाएँ और पर्यटक आगमन प्रवृत्तियों का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है। 2019–20 से 2024–25 तक के आँकड़ों से स्पष्ट होता है कि राज्य सरकार ने पर्यटन क्षेत्र के लिए निरंतर बजट प्रावधान किए हैं और विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास हेतु विशेष योजनाएँ स्वीकृत की हैं। विशेषकर ओरछा और आसपास के क्षेत्रों के विकास हेतु 6000 करोड़ रुपये का निवेश राज्य की दीर्घकालिक पर्यटन नीति को दर्शाता है।

पर्यटन आगमन के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 2023 से 2024 के बीच घरेलू पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जबकि विदेशी पर्यटकों की संख्या में कमी दर्ज की गई है। बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रमुख स्थलों में चित्रकूट, ओरछा और चंदेरी में आगमन में वृद्धि हुई, जबकि खजुराहो और पन्ना जैसे अंतरराष्ट्रीय महत्व के स्थलों पर गिरावट दर्ज की गई। इससे यह स्पष्ट है कि राज्य में आस्था एवं सांस्कृतिक पर्यटन तेजी से प्रगति कर रहा है, किंतु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आकर्षण बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयासों की आवश्यकता है। यह अध्ययन निष्कर्ष रूप में इंगित करता है कि यदि वित्तीय प्रावधानों का समुचित उपयोग किया जाए और विदेशी पर्यटकों के आकर्षण हेतु प्रचार–प्रसार, आधुनिक अवसंरचना एवं कनेक्टिविटी पर ध्यान दिया जाए, तो मध्यप्रदेश न केवल घरेलू बल्कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटन का भी सशक्त केंद्र बन सकता है।

कुंजी शब्दः मध्यप्रदेश, पर्यटन विकास, वित्तीय प्रावधान, परियोजनाएँ, घरेलू पर्यटन, विदेशी पर्यटक, बुंदेलखंड

1. प्रस्तावना

मध्यप्रदेश को "भारत का हृदय" कहा जाता है। यहाँ के ऐतिहासिक, धार्मिक और प्राकृतिक स्थल पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। राज्य सरकार ने बीते वर्षों में पर्यटन अवसंरचना को मज़बूत करने, सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करने और धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन देने हेतु कई योजनाएँ संचालित की हैं। प्रस्तुत शोधपत्र में वित्तीय प्रावधान एवं व्यय, प्रमुख पर्यटन परियोजनाओं, पर्यटक आगमन प्रवृत्तियों तथा बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रमुख स्थलों का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है।

पर्यटन विभाग के संदर्भ में वित्तीय प्रावधान की परिभाषा

"पर्यटन विभाग में वित्तीय प्रावधान का अर्थ है– राज्य या केंद्र सरकार द्वारा पर्यटन अवसंरचना, परियोजनाओं, सांस्कृतिक– धार्मिक स्थलों के संरक्षण, प्रचार–प्रसार, सुविधाओं के विस्तार तथा

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

पर्यटक–अनुकूल वातावरण के निर्माण हेतु बजट में की गई धनराशि का आवंटन। यह प्रावधान पर्यटन विकास योजनाओं के क्रियान्वयन, निगरानी और सतत प्रबंधन के लिए आधारभूत वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराता है।"

- अवसंरचना विकास ⟶ सड़क, होटल, गाइड सुविधा, सूचना केंद्र, परिवहन आदि पर खर्च हेतु राशि।
- धार्मिक एवं सांस्कृतिक संरक्षण ⟶ मंदिर, स्मारक, ऐतिहासिक धरोहरों का जीर्णोद्धार।
- प्रचार–प्रसार एवं विपणन ⟶ देशी व विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु अभियान।
- क्षेत्रीय संतुलन ⟶ कम विकसित क्षेत्रों (जैसे बुंदेलखंड, आदिवासी क्षेत्र) में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष फंड।
- सतत पर्यटन ⟶ पर्यावरण–अनुकूल पर्यटन, स्वच्छता और सुरक्षा संबंधी योजनाओं पर व्यय।

2. शोध का उद्देश्य

इस शोध पत्र का उद्देश्य यह समझना है कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किए गए वित्तीय निवेश, योजनाएँ और नीतियाँ पर्यटन आगमन और विकास को किस हद तक प्रभावित कर रही हैं, तथा भविष्य में इस क्षेत्र को और कैसे सशक्त बनाया जा सकता है।

3. शोध विधि

इस शोध में मुख्यतः वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक अनुसंधान पद्धति का प्रयोग किया गया है। अध्ययन के लिए द्वितीयक आँकड़ों का उपयोग किया गया है, जो कि मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग की वार्षिक रिपोर्टों, बजट दस्तावेजों, आधिकारिक आँकड़ों तथा सरकारी प्रकाशनों से संकलित किए गए हैं। 2019–20 से 2024–25 तक के वित्तीय प्रावधान और व्यय से संबंधित आँकड़ों का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है। इसके अतिरिक्त, प्रमुख पर्यटन परियोजनाओं में आवंटित धनराशि का अध्ययन करते हुए उनके संभावित प्रभावों का आकलन किया गया है। 2023 और 2024 के बीच देशी एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या में हुए परिवर्तन का विश्लेषण तालिकाओं और प्रतिशत वृद्धि/कमी के आधार पर किया गया है। विशेष रूप से बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रमुख स्थलों (चित्रकूट, ओरछा, पन्ना, चंदेरी, दतिया और खजुराहो) पर पर्यटक आगमन का तुलनात्मक अध्ययन कर वृद्धि और गिरावट के कारकों की पहचान की गई है। सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु प्रतिशत परिवर्तन और तुलनात्मक तालिकाओं का प्रयोग किया गया है।

4. समंक विश्लेषण एवं व्याख्या

तालिका 1
पर्यटन विभाग से वर्षोंवार बजट आवंटन
(राशि करोड़ रुपये में)

क्र.	वित्तीय वर्ष	बजट प्रावधान (अनुपूरक अनुमानों सहित)	व्यय

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

1	2019–20	239.35	155.40
2	2020–21	101.56	100.95
3	2021–22	211.67	211.28
4	2022–23	296.47	271.37
5	2023–24	270.35	219.89
6	2024–25 *(नवंबर तक)*	281.29	179.31

स्रोतः पर्यटन विभाग, मध्यप्रदेश शासन, 2024

मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के वित्तीय प्रावधान और व्यय का अवलोकन करने पर स्पष्ट होता है कि पिछले छह वर्षों में विभाग को निरंतर रूप से उल्लेखनीय बजट प्राप्त हुआ है। वर्ष 2019–20 में ₹239.35 करोड़ का प्रावधान किया गया, जिसके विरुद्ध ₹155.40 करोड़ व्यय हुआ। कोविड–19 महामारी के प्रभाव वाले वर्ष 2020–21 में बजट घटकर ₹101.56 करोड़ रहा, किंतु व्यय लगभग समान स्तर पर (₹100.95 करोड़) रहा, जो संसाधनों के संतुलित उपयोग को दर्शाता है। 2021–22 में ₹211.67 करोड़ का प्रावधान और लगभग बराबर व्यय (₹211.28 करोड़) हुआ, जो बजट प्रबंधन की दक्षता का प्रमाण है। 2022–23 में उच्चतम बजट प्रावधान ₹296.47 करोड़ किया गया, जिसके विरुद्ध ₹271.37 करोड़ व्यय हुआ। 2023–24 में बजट ₹270.35 करोड़ रहा, लेकिन व्यय घटकर ₹219.89 करोड़ तक सीमित रहा। 2024–25 में नवंबर तक ₹281.29 करोड़ का प्रावधान किया गया, जिसमें से केवल ₹179.31 करोड़ ही व्यय हुआ है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में अभी शेष राशि का उपयोग किया जाना बाकी है।

समग्र रूप से देखा जाए तो पर्यटन विभाग को राज्य सरकार द्वारा निरंतर वित्तीय समर्थन प्राप्त हो रहा है, किंतु कुछ वर्षों में व्यय बजट प्रावधान की तुलना में कम रहा है। यह स्थिति यह दर्शाती है कि योजनाओं के क्रियान्वयन की गति और संसाधनों के उपयोग पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

तालिका 2

प्रसाद योजना के तहत मध्यप्रदेश में नई स्वीकृत परियोजनाएँ

(राशि करोड़ रुपये में)

क्र.	परियोजना का नाम	राशि (₹ करोड़ में)
1	सलकनपुर का विकास	70.49
2	ओरछा और आसपास के क्षेत्र का विकास	6000
3	अमरकंटक का विकास	49.98
4	पीतांबरा पीठ दतिया का विकास	48.83

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

5	पार्वती मंदिर सुरेली का विकास	34.4

स्रोतः पर्यटन विभाग, मध्यप्रदेश शासन, 2024

मध्यप्रदेश सरकार ने पर्यटन विकास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण और उन्नयन हेतु नई परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। प्रस्तुत तालिका से स्पष्ट होता है कि इनमें सर्वाधिक निवेश ओरछा और आसपास के क्षेत्र के विकास के लिए किया गया है, जहाँ लगभग ₹6000 करोड़ की राशि आवंटित की गई है। यह निवेश क्षेत्रीय, सांस्कृतिक और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन की संभावनाओं को सुदृढ़ करने की दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इसी प्रकार, सलकनपुर का विकास (₹70.49 करोड़), अमरकंटक का विकास (₹49.98 करोड़), पीतांबरा पीठ दतिया (₹48.83 करोड़) और पार्वती मंदिर सुरेली (₹34.40 करोड़) जैसी परियोजनाएँ आस्था आधारित पर्यटन को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इन परियोजनाओं से न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण होगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार, बुनियादी सुविधाओं और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। समग्र रूप से यह कहा जा सकता है कि इन परियोजनाओं के माध्यम से मध्यप्रदेश सरकार पर्यटन को राज्य की आर्थिक प्रगति का प्रमुख आधार बनाने की दिशा में अग्रसर है।

तालिका 3

मध्यप्रदेश में वर्ष 2023 और 2024 के बीच पर्यटन आगमन की तुलना

मध्यप्रदेश में पर्यटन आगमन (2023 बनाम 2024)	वर्ष 2023	वर्ष 2024	वृद्धि / कमी
देशी पर्यटक	11,19,46,409	13,31,76,410	+2,12,30,001
विदेशी पर्यटक	1,82,685	1,67,535	–15,150
कुल पर्यटक	11,21,29,094	13,33,43,945	+2,12,14,851

स्रोतः पर्यटन विभाग, मध्यप्रदेश शासन, 2024

मध्यप्रदेश में वर्ष 2023 और 2024 के बीच पर्यटन आगमन की तुलना करने पर यह स्पष्ट होता है कि राज्य में देशी पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2023 में जहाँ देशी पर्यटक संख्या 11.19 करोड़ थी, वहीं 2024 में यह बढ़कर 13.31 करोड़ हो गई, अर्थात् +2.12 करोड़ (18.9%) की वृद्धि दर्ज की गई। इसके विपरीत, विदेशी पर्यटकों की संख्या में कमी देखी गई है, जो 2023 के 1,82,685 से घटकर 2024 में 1,67,535 रह गई, अर्थात् –15,150 की गिरावट। कुल मिलाकर, राज्य में पर्यटक संख्या 2023 के 11.21 करोड़ से बढ़कर 2024 में 13.33 करोड़ पहुँच गई, जो कि +2.12 करोड़ की वृद्धि है। ये आँकड़े दर्शाते हैं कि मध्यप्रदेश में घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहन मिल रहा है और लोग धार्मिक, सांस्कृतिक तथा प्राकृतिक स्थलों की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं। हालाँकि विदेशी पर्यटकों में कमी यह संकेत

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

देती है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार–प्रसार, अवसंरचना और कनेक्टिविटी पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

तालिका 4
मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर आगमन

क्रम	पर्यटन स्थल	2023 कुल पर्यटक	2024 कुल पर्यटक	पर्यटकों में परिवर्तन	प्रतिशत वृद्धि/घट
1	चित्रकूट	90,01,368	1,19,35,933	+29,34,565	+32.60%
2	ओरछा	1,55,997	1,70,294	+14,297	+9.16%
3	पन्ना	3,19,892	2,48,550	−71,342	−22.30%
4	चंदेरी	41,127	47,630	+6,503	+15.81%
5	दतिया	45,433	41,211	−4,222	−9.29%
6	खजुराहो	10,67,647	4,89,569	−5,78,078	−54.15%

स्रोतः पर्यटन विभाग, मध्यप्रदेश शासन, 2024

मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में 2023 और 2024 के बीच पर्यटन आगमन में मिश्रित प्रवृत्तियाँ देखने को मिलती हैं। आँकड़ों के अनुसार चित्रकूट में सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई है, जहाँ पर्यटक संख्या 90 लाख से बढ़कर लगभग 1.19 करोड़ हो गई, अर्थात् +32.60% की वृद्धि। इसी प्रकार, ओरछा (+9.16%) और चंदेरी (+15.81%) में भी पर्यटक आगमन में सकारात्मक वृद्धि हुई है, जो दर्शाता है कि धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों में घरेलू पर्यटकों की रुचि निरंतर बढ़ रही है। इसके विपरीत, कुछ स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में कमी दर्ज की गई है। पन्ना में पर्यटक संख्या 22.30% घट गई, जबकि दतिया में 9.29% की गिरावट रही। सबसे बड़ी गिरावट खजुराहो में देखी गई, जहाँ पर्यटक संख्या 10.67 लाख से घटकर 4.89 लाख रह गई, अर्थात् −54.15% की कमी। यह अंतर्राष्ट्रीय और सांस्कृतिक पर्यटन की दृष्टि से चिंताजनक है। समग्र रूप से देखा जाए तो बुंदेलखंड क्षेत्र में धार्मिक स्थलों (जैसे चित्रकूट, ओरछा, चंदेरी) पर पर्यटक आगमन में वृद्धि हुई है, जबकि विश्व प्रसिद्ध खजुराहो और प्राकृतिक पर्यटन केंद्र पन्ना में गिरावट पर्यटन प्रबंधन, प्रचार–प्रसार और अंतरराष्ट्रीय आकर्षण रणनीति की आवश्यकता को दर्शाती है

5. उपसंहार

मध्यप्रदेश पर्यटन क्षेत्र के वित्तीय प्रावधान, प्रमुख परियोजनाओं और पर्यटक आगमन के तुलनात्मक अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि राज्य सरकार ने पर्यटन को आर्थिक और सांस्कृतिक विकास का प्रमुख साधन बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। 2019द्20 से 2024द्25 तक के आँकड़े बताते हैं

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

कि पर्यटन विभाग को निरंतर पर्याप्त बजट आवंटित किया गया है तथा विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण और विकास हेतु विशेष परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं। विशेषकर ओरछा, सलकनपुर, अमरकंटक, दतिया और सुरेली जैसे स्थलों पर निवेश से आस्था आधारित पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय रोजगार में वृद्धि होगी।

पर्यटन आगमन के आँकड़ों से स्पष्ट होता है कि 2023 से 2024 के बीच घरेलू पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो राज्य की आंतरिक पर्यटन क्षमता का द्योतक है। हालाँकि विदेशी पर्यटकों की संख्या में कमी और खजुराहो व पन्ना जैसे प्रमुख स्थलों पर गिरावट यह दर्शाती है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार–प्रसार, अवसंरचना विकास और वैश्विक कनेक्टिविटी पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

समग्र रूप से, मध्यप्रदेश में पर्यटन का भविष्य आशाजनक है। यदि राज्य सरकार घरेलू पर्यटन की बढ़ती प्रवृत्ति को संतुलित करते हुए विदेशी पर्यटकों के आकर्षण हेतु ठोस नीतिगत कदम उठाए, तो यह क्षेत्र न केवल आर्थिक वृद्धि का माध्यम बनेगा, बल्कि सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और सतत विकास के मार्ग को भी सुदृढ़ करेगा।

6. सुझाव

सुझाव स्वरूप यह कहा जा सकता है कि पर्यटन विकास योजनाओं में स्थानीय सहभागिता, पर्यावरणीय संतुलन, आधुनिक सुविधाएँ और अंतरराष्ट्रीय प्रचार को प्राथमिकता दी जाए, जिससे मध्यप्रदेश "भारत का हृदय" ही नहीं, बल्कि "पर्यटन का वैश्विक केंद्र" भी बन सके।

संदर्भ सूची

1. Government of Madhya Pradesh. (2024). *Annual report of Tourism Department 2019–2024*. Bhopal: Directorate of Tourism.
2. Government of Madhya Pradesh. (2024). *Tourism budget and expenditure report (2019–2025)*. Bhopal: Finance Department.
3. Ministry of Tourism, Government of India. (2023). *India tourism statistics 2022*. New Delhi: Market Research Division.
4. Sharma, R. (2022). *Tourism development in central India: Challenges and opportunities*. New Delhi: Sage Publications.
5. Singh, P. (2021). Growth of domestic and international tourism in India. *Journal of Tourism and Hospitality Studies, 18*(2), 45–58. https://doi.org/10.xxxx/jths.2021.18.2.45
6. World Tourism Organization (UNWTO). (2023). *Tourism and sustainable development goals – Report 2023*. Madrid: UNWTO.